माउण्ट आबू-पाण्डव भवन। दीपावली के अवसर पर रोशनी से रोशन होता हुआ 'युनिवर्सल पीस हॉल'। मंचासीन हैं ईशू दादी, ब्र.कु. डॉ. निर्मला दीदी तथा दादी रतनमोहिनी। हॉल में उपस्थित देश-विदेश से आए गणमान्य लोग।

परमात्मा का संदेश जन-जन तक पहुँचायें - दादी

54 वां वार्षिक उत्सव मनाया ब्रह्माकुमारीज़ के गामदेवी सेवाकेन्द्र ने

वार्षिकोत्सव कार्यक्रम के दौरान मंचासीन हैं ब्र.कु. हंसा, राजयोगिनी दादी जानकी तथा ब्र.कु. निहा। भारतीय विद्या भवन ऑडिटोरियम में उपस्थित होकर इस भव्य कार्यक्रम का आनंद उठाते शहर के गणमान्य लोग।

मुम्बई-गामदेवी। भारतीय विद्या भवन ऑडिटोरियम में आयोजित सेवाकेन्द्र के 54वें वार्षिकोत्सव कार्यक्रम के अवसर पर संस्थान की मुख्य प्रशासिका दादी जानकी ने कहा कि 54 वर्ष पूर्व दादी प्रकाशमणि ने यहाँ पर ईश्वरीय संदेश देने हेतु परमात्मा का कार्य आरम्भ किया। उन्होंने परमात्मा का संदेश जन-जन तक पहुँचाकर उनके जीवन में परिवर्तन लाकर पुण्य का कार्य किया। उन्होंने कहा कि दादीजी ने कई आत्माओं को परमात्मा के कार्य में मददगार बनाया। उन्होंने यहाँ की धरनी में ऐसा बीज बोया जो आज क्वालिटी की आत्माएं निर्विघ्न रूप से ईश्वरीय यज्ञ में सेवाएं दे रही हैं। दादी ने कहा कि अब हमें अपने जीवन से सबको परमात्म कार्य की ओर प्रेरित करना है तथा उनके जीवन को भी आसान बनाना है। दादीजी ने कहा कि यहां से आत्माओं की पालना द्वारा यहाँ की फुलवारी फलीभूत होकर ईश्वरीय सेवा कर रही है। 54 साल का यह सफर बहुत ही सफल व सराहनीय रहा। इस अवसर पर स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु.निहा ने कहा कि परमात्मा का सहयोग भी परमात्मा के कार्य में वारिस शील दादी, रमेश भाई जैसी महान आत्माओं की विशेष पालना भी मिल रही है। जिससे हमारे जीवन में बहुत हल्कापन व खुशी हमेशा बनी रहती है। उन्होंने सभी पुराने तथा नये भाई-बहनों की विशेषताओं को याद करके उनका स्वागत तो इस स्थान को डायरेक्ट मिल ही रहा है, साथ-साथ इन महान किया। कार्यक्रम में शहर के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित हुए तथा उन्होंने दादी जी से आशीर्वाद भी प्राप्त किया। इस अवसर पर ब्र. कु. आस्पी, ब्र.कु.अरविन्द, ब्र.कु. हरिलाल सहित कई वरिष्ठ भाई-बहनें भी उपस्थित थे। दादी ने सभी को गहन शांति की अनुभूति कराई।

दूसरों से अपेक्षा के बजाए देने की भावना रखें : शिवानी

नवी मुम्बई-वाशी। सिडको एग्ज़ीबिशन सेंटर के भव्य हॉल में 'टेंशन फ्री लाइफ स्टाइल' विषय पर सम्बोधित करते हुए जीवन प्रबंधन विशेषज्ञा ब्र.कु. शिवानी ने स्ट्रेस का कारण बताया कि हम सारा दिन दूसरों से अपेक्षाएं रखते हैं, इसलिए हताश होते हैं। एक्सपेक्टेशन्स के बजाए अटेंशन रखें, तो ही टेंशन फ्री हो जाएंगे। हम पैसे कमाने का लक्ष्य रखते हैं, लेकिन जीवन में खुशी और आनंद भी कमाने का लक्ष्य रखें, उसके लिए अपने कर्म सुखदायी बनाएं और साथ ही हम अपनी आत्मा के सात निजी गुणों को यूज़ करें। उन्होंने दीपावली की शुभकामनाएँ सभी को दी और सबसे प्रतिज्ञा कराई की दिवाली के पहले तीन दिन घर की सफाई के साथ मन की सफाई भी अवश्य करें। मन में दीया जलाएं। दीया का अर्थ है देना ही देना है, लेना कुछ नहीं। लोगों से दुआएं कमानी हैं।

संस्था की महाराष्ट्र व आ.प्र. ज़ोन संचालिका राजयोगिनी ब्र.कु. संतोष दीदी ने कहा की आज मनुष्य अपने विचारों से ही अधिक दु:खी है। अपने विचारों व भावनाओं को शुभ और श्रेष्ठ बनाने से हम सुखी होंगे। इस अवसर पर सिडको के सुपरीन्टेंडेंट इंजीनियर गिरी जी ने सभी का दिल से स्वागत किया। सेंट मैरी चर्च के फ़ादर अब्राहम जोसेफ ने ब्रह्माकुमारी संस्था के कार्य की सराहना करते हुए कहा कि आज के भौतिकवादी युग में इस आध्यात्मिक ज्ञान की बहुत आवश्यकता है। विधायिका मंदा ताई म्हात्रे ने कहा कि संस्था के साथ मेरा पिछले तीस साल से स्नेहपूर्ण रिश्ता है। संस्था का कार्य बढ़ता हुआ देख मुझे बहुत खुशी हो रही है। कार्यक्रम के दौरान सभी को राजयोग मेडिटेशन भी कराया गया। सभी ने गहन शांति की अनुभूति की। कार्यक्रम में ए. रौतेला,डी.आई.जी.,सी.आर.पी.एफ., ए यादव,चेयरमैन,याक मरीन अकादमी, वैशाली हंग्रेकर,सेशन जज, शुभदा नायक, वाईस प्रिन्सिपल मॉडर्न कॉलेज, सुनील चौहान, आई.ए.एस., पनवेल महानगर पालिका के महापौर, सभापति तथा अनेक नगर सेवक और गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान ब्र.कु. शिवानी ने सभी को राजयोग मेडिटेशन द्वारा शांति की अनुभूति कराई।

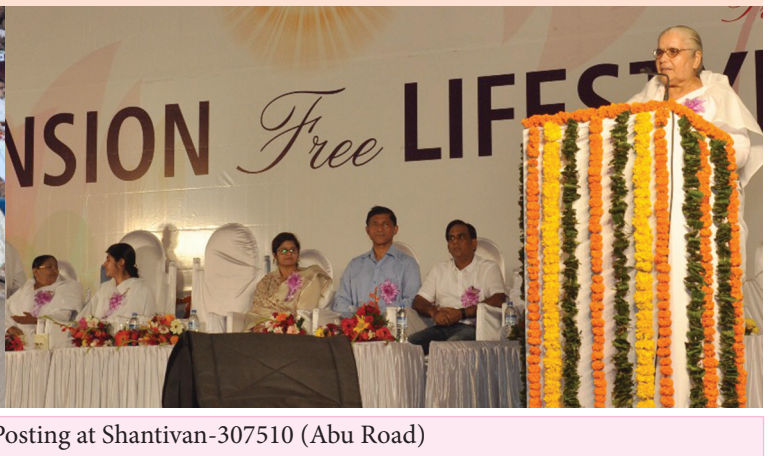

RNI NO RAJHN/2000/721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/15-17, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2015-17, Posting on 12TH TO 14TH and 22ND TO 24TH each month, published on 3rd Nov 2017
संपादक: ब्र.कु.गंगाधर, प्रकाशक: ब्र.कु.करुणा द्वारा ब्रह्माकुमारीज़ मीडिया प्रभाग (आर.ई.आर.एफ) के लिए प्रकाशित एवं आशीर्वाद प्रेस द्वारा मुद्रित।